International Institute of Information Technology mid-semester examination: 2023 Readings from Hindi Literature

Time: 1½ Hr.

Max. marks: 25

open book (non-electronic material only)

1.नीचे लिखी पंक्तियाँ किन रचनाओं से ली गई हैं। रचना का शीर्षक और रचनाकार का नाम लिखें। रेखांकित शब्द की क्या भूमिका है, व्याख्या करें। (Explain what the underlined word signifies)

अ) हवा का कोई भूला-भटका झोंका—चीड़ के पत्ते खड़खड़ा उठते थे। कभी कोई पक्षी अपनी सुस्ती मिटाने झाड़ियों से उड़कर नाले के किनारे बैठ जाता था, पानी में सिर डुबोता था, फिर ऊबकर हवा में दो-चार निरुद्देश्य चक्कर काटकर दुबारा झाड़ियों में दुबक जाता था। ... किंतु जंगल की ख़ामोशी शायद कभी चुप नहीं रहती। गहरी नींद में डूबी सपनों-सी कुछ आवाज़ें नीरवता के हल्के-झीने पर्दे पर सलवटें बिछा जाती हैं—मूक लहरों-सी हवा में तिरती हैं—मानो कोई दबे-पाँव झाँककर अदृश्य संकेत कर जाता है—'देखो मैं यहाँ हूँ—

च) आज शुक्रवार का दिन है / और इस छोटे से शहर की ये लड़कियाँ / खेल रही हैं हॉकी। / ख़ुश हैं लड़कियाँ / <u>फ़िलहाल</u> / ख़ेर्ल रही हैं हॉकी।

स) प्यार का कोई कारण नहीं होता/ झूठ कभी बेमकसद नहीं होता/ खजानों के <u>साँप</u>/ तेरे गीत गाते हैं/ सोने की चिड़िया कहते हैं। 3X(1+1+1)

2. नीचे जोगिंदर पाल की छोटी कहानी 'कारगिल' और कुमार अंबुज की एक कविता दी गई हैं। इनमें से <u>किसी एक</u> को पढ़कर, रचना के थीम, कथ्य और भाषा-शैली पर विस्तार से विवेचन कीजिए। 2+2+4

कारिंग्ल - जोगिंदर पाल किंप्सानी प्राप्त किंप्सानी प्राप्त हिन्दुस्तानी फ़ौजी था और दूसरा पाकिस्तानी मुजाहिद (जिहादी)।

दोनों की बन्दूकें उनके मध्य फ़ासले में गिरी पड़ी थीं, मगर अब्दुल को बन्दूकों से क्या गर्ज़ ? बन्दूकों सहित पकड़-धकड़ में आ जाता तो फ़ौज उसे कोई भी मुजाहिद समझ के धर लेती। सब लोग गांव छोड़कर भाग गए थे मगर उसने वहीं कहीं पहाड़ों के अन्दर किसी गुप्त सुराख में आ शरण ली थी और इसी तरह मौका मिलने पर लाशों की जेबों से काम की जो वस्तु उस के हाथ लग जाती, अल्लाह का शुक्र अदा करके उसे अपनी जेब में सुरक्षित कर लेता। मुजाहिद की भीतरी जेब से उसे किसी बच्चे की लिखाई में एक चिट्ठी मिली, संक्षिप्त सी बचकाना लिखाई की अड्डी टप्पा (टेढ़ी-मेढ़ी) शक्ल और सूरत पर मुस्कराकर वह उसे पढ़ने लगा—

'प्यारे अब्बू, अस्लःम-एलेकुम, कल मेरी सालगिरह (जन्मदिन) थी, मगर क्या पता, तुम कहाँ चले गये हो ? इसलिए मैं और अम्मी सारा दिन रोती रहीं—'

बर्फ़ीली हवा की साँय-साँय में ठिठुरन करके अब्दुल हिन्दुस्तानी फ़ौजी की जेबों की तरफ मतवज्जा (ध्यान) हो गया। फ़ौजी की बाहरी जेब में उसे एक मुन्नी सी अत्यन्त सुन्दर लड़की की तस्वीर मिली। भोले भोले चोर को हैरत होने लगी कि मुजाहिद की बेटी की यह तस्वीर हिन्दुस्तानी फ़ौजी की जेब में कैसे आ गई?

किवाड़ -कुमार अंबुज

ये सिर्फ़ किवाड़ नहीं हैं

जब ये हिलते हैं माँ हिल जाती है और चौकस आँखों से देखती है -'क्या हुआ?'

मोटी साँकल की चार कड़ियों में एक पूरी उमर और स्मृतियाँ बँधी हुई हैं जब साँकल बजती है बहुत कुछ बज जाता है घर में

इन किवाड़ों पर चंदा सूरज और नाग देवता बने हैं एक विश्वास और सुरक्षा खुदी हुई है इन पर इन्हे देखकर हमें पिता की याद आती है

भैया जब इन्हें बदलवाने कहते हैं माँ दहल जाती हैं और कई रातों तक पिता उसके सपनों में आते हैं

ये पुराने हैं लेकिन कमज़ोर नहीं इनके दोलन में एक वज़नदारी है ये जब खुलते हैं एक पूरी दुनिया हमारी तरफ़ खुलती है

जब ये नहीं होंगे घर घर नहीं रहेगा।

3. पढ़ी गई रचनाओं के आधार पर हिन्दी में स्त्री-लेखन की विविधता (diversity) पर चर्चा करें। (जेंडर, सामाजिक सरोकार, घर परिवार और निजी सवाल आदि; भाषा-शैली में विविधता)

8

International Institute of Information Technology Final examination: Monsoon 2023 Readings from Hindi Literature

Time: 3 Hrs.

Max. marks: 50

This is an open book (print or hand-written only - no digital device) exam

 नीचे दी गई कविताओं में से किसी एक पर विस्तार से चर्चा करें। विषय-वस्तु, रुप के अलावा सामाजिक और अन्य संदर्भों पर भी विस्तार से लिखें। समकालीन अन्य कवियों की रचनाओं के साथ कविता का तुलनात्मक विवेचन भी 10 कीजिए।

एक खिडकी / अशोक वाजपेयी

मौसम बदले, न बदले हमें उम्मीद की कम से कम एक खिड़की तो खुली रखनी चाहिए।

शायद कोई गृहिणी वसंती रेशम में लिपटी उस वृक्ष के नीचे किसी अज्ञात देवता के लिए छोड गई हो फुल-अक्षत और मधुरिमा।

हो सकता है किसी बच्चे की गेंद बजाय अनंत में खोने के हमारे कमरे में अंदर आ गिरे और उसे लौटाई जा सके

साहिर लुधियानवी की एक नज़्म की कुछ पंक्तियाँ :

ख़ून अपना हो या पराया हो नस्ले-आदम का ख़ून है आख़िर जंग मग़रिब² में हो कि मशरिक³ में अम्ने-आलम⁴ का ख़ून है आख़िर

बम घरों पर गिरें कि सरहद पर रूहे-तामीर⁵ ज़ख़्म खाती है खेत अपने जलें या औरों के ज़ीस्त ६ फ़ाक़ोंं से तिलमिलाती है 1. इंसान की जाति 2. पूरब 3. पश्चिम 4. दुनिया की शांति

5. आत्मा का ढाँचा 6. ज़िंदगी 7. भूख

देवासुर-संग्राम से लहुलुहान कोई बुढा शब्द शायद बाहर की ठंड से ठिठ्रता किसी कविता की हल्की आंच में कुछ देर आराम करके रुकना चाहे।

हम अपने समय की हारी होड़ लगाएँ और दाँव पर लगा दें अपनी हिम्मत, चाहत, सब-कुछ – पर एक खिड़की तो खुली रखनी चाहिए ताकि हारने और गिरने के पहले हम अंधेरे में अपने अंतिम अस्त्र की तरह फेंक सकें चमकती हुई अपनी फिर भी बची रह गई प्रार्थना।

टैंक आगे बढें कि पीछे हटें कोख धरती की बाँझ होती है फ़तह⁸ का जश्न हो कि हार का सोग⁹ जिंदगी मय्यतों पे रोती है

इसलिए ऐ शरीफ इंसानों जंग टलती रहे तो बेहतर है आप और हम सभी के आँगन में शमा¹⁰ जलती रहे तो बेहत**र है।** 8. जीत 9. शोक 10. रोशनी

 मैनेजर पांडे के इस कथन पर पढ़ी रचनाओं के आधार पर टिप्पणी कीजिए: 'दलितों के लेखन में हमें लिलत लेखन नहीं ढूँढना चाहिए।' उदाहरणों के साथ अपने तर्क लिखिए।

a

'मलबे का मालिक' और 'चिमगादड़ें' कहानियों के लेखकों का नाम लिखिए। इनमें से किसी <u>एक</u> कहानी के बारे में इन सवालों का जवाब लिखिए: कहानी के केंद्र में कौन से विचार हैं? रचना हमारे समाज के किन कमजोर पक्षों की ओर संकेत करती है? कहानी की संरचना (structure) और शैली पर विस्तार से लिखिए।

- 3. (।) संस्थान के पुस्तकालय में उपलब्ध किन्हीं दो साहित्यिक पत्रिकाओं के नाम लिखिए।
- (ii) ग़ज़ल में रदीफ और काफिया से क्या तात्पर्य है? एक उदाहरण देते हुए समझाएँ।

2 + 2

4. उदाहरण सहित शब्द-शक्ति (अभिधा/लक्षणा/व्यञ्जना) का महत्व समझाइए।

6

- 5. फणीश्वर नाथ रेणु और निर्मल वर्मा की पढ़ी गई कहानियों में प्रकृति की तस्वीर कैसी आँकी गई है, विस्तार से लिखें। 6
- 6. 'साहित्य समाज का दर्पण (mirror) है।' पढ़ी गई रचनाओं के आधार पर इस कथन पर विस्तार से चर्चा करें। 6
- 'आधे अधूरे' नाटक में किसी एक चरित्र के संवादों के कथ्य और भाषा पर विस्तार से लिखिए: क्या यह चरित्र समकालीन समाज के किसी पक्ष को दिखलाता है?

8

बोनस (2) – कोर्स के दौरान हमने कई गीत सुने थे। किसी एक गीत की एक पंक्ति और इसके गायक का नाम लिखिए।